नामरामायणम्

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्म परात्पर राम ॥१॥

कालात्मकपरमेश्वर राम ॥२॥

शेषतल्पसुखनिद्रित राम ॥३॥

ब्रह्माद्यमरप्रार्थित राम ॥४॥

चण्डकिरणकुलमण्डन राम ॥५॥

श्रीमद्दशरथनन्दन राम ॥६॥

कौसल्यासुखवर्धन राम ॥७॥

विश्वामित्रप्रियधन राम ॥८॥

घोरताटकाघातक राम ॥९॥

मारीचादिनिपातक राम ॥१०॥

कौशिकमखसंरक्षक राम ॥११॥

श्रीमदहल्योद्धारक राम ॥१२॥

गौतममुनिसम्पूजित राम ॥१३॥

सुरमुनिवरगणसंस्तुत राम ॥१४॥

नाविकधावितमृदुपद राम ॥१५॥

मिथिलापुरजनमोहक राम ॥१६॥

विदेहमानसरञ्जक राम ॥१७॥

त्र्यम्बककार्मुकभञ्जक राम ॥१८॥

सीतार्पितवरमालिक राम ॥१९॥

कृतवैवाहिककौतुक राम ॥२०॥

भार्गवदर्पविनाशक राम ॥२१॥

श्रीमदयोध्यापालक राम ॥२२॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित राम ॥२३॥

अवनीतनयाकामित राम ॥२४॥

राकाचन्द्रसमानन राम ॥२५॥

पितृवाक्याश्रितकानन राम ॥२६॥

प्रियगुहविनिवेदितपद राम ॥२७॥

तत्क्षालितनिजमृदुपद राम ॥२८॥

भरद्वाजमुखानन्दक राम ॥२९॥

चित्रकूटाद्रिनिकेतन राम ॥३०॥

दशरथसन्ततचिन्तित राम ॥३१॥

कैकेयीतनयार्थित राम ॥३२॥

विरचितनिजपितृकर्मक राम ॥३३॥

भरतार्पितनिजपादुक राम ॥३४॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ अरण्यकाण्डः ॥

दण्डकवनजनपावन राम ॥३५॥

दुष्टविराधविनाशन राम ॥३६॥

शरभङ्गसुतीक्ष्णार्चित राम ॥३७॥

अगस्त्यानुग्रहवर्धित राम ॥३८॥

गृध्राधिपसंसेवित राम ॥३९॥

पञ्चवटीतटसुस्थित राम ॥४०॥

शूर्पणखार्त्तिविधायक राम ॥४१॥

खरदूषणमुखसूदक राम ॥४२॥

सीताप्रियहरिणानुग राम ॥४३॥

मारीचार्तिकृदाशुग राम ॥४४॥

विनष्टसीतान्वेषक राम ॥४५॥

गृध्राधिपगतिदायक राम ॥४६॥

शबरीदत्तफलाशन राम ॥४७॥

कबन्धबाहुच्छेदन राम ॥४८॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ किष्किन्धाकाण्डः ॥

हनुमत्सेवितनिजपद राम ॥४९॥

नतसुग्रीवाभीष्टद राम ॥५०॥

गर्वितवालिसंहारक राम ॥५१॥

वानरदूतप्रेषक राम ॥५२॥

हितकरलक्ष्मणसंयुत राम ॥५३॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ सुन्दरकाण्डः ॥

कपिवरसन्ततसंस्मृत राम ॥५४॥

तद्गतिविघ्नध्वंसक राम ॥५५॥

सीताप्राणाधारक राम ॥५६॥

दुष्टदशाननदूषित राम ॥५७॥

शिष्टहनूमद्भूषित राम ॥५८॥

सीतावेदितकाकावन राम ॥५९॥

कृतचूडामणिदर्शन राम ॥६०॥

कपिवरवचनाश्वासित राम ॥६१॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ युद्धकाण्डः ॥

रावणनिधनप्रस्थित राम ॥६२॥

वानरसैन्यसमावृत राम ॥६३॥

शोषितसरिदीशार्थित राम ॥६४॥

विभीषणाभयदायक राम ॥६५॥

पर्वतसेतुनिबन्धक राम ॥६६॥

कुम्भकर्णशिरश्छेदक राम ॥६७॥

राक्षससङ्घविमर्दक राम ॥६८॥

अहिमहिरावणचारण राम ॥६९॥

संहृतदशमुखरावण राम ॥७०॥

विधिभवमुखसुरसंस्तुत राम ॥७१॥

खस्थितदशरथवीक्षित राम ॥७२॥

सीतादर्शनमोदित राम ॥७३॥

अभिषिक्तविभीषणनुत राम ॥७४॥

पुष्पकयानारोहण राम ॥७५॥

भरद्वाजादिनिषेवण राम ॥७६॥

भरतप्राणप्रियकर राम ॥७७॥

साकेतपुरीभूषण राम ॥७८॥

सकलस्वीयसमानत राम ॥७९॥

रत्नलसत्पीठास्थित राम ॥८०॥

पट्टाभिषेकालङ्कृत राम ॥८१॥

पार्थिवकुलसम्मानित राम ॥८२॥

विभीषणार्पितरङ्गक राम ॥८३॥

कीशकुलानुग्रहकर राम ॥८४॥

सकलजीवसंरक्षक राम ॥८५॥

समस्तलोकाधारक राम ॥८६॥

राम राम जय राजाराम ।

राम राम जय सीताराम ॥

॥ उत्तरकाण्डः ॥

आगतमुनिगणसंस्तुत राम ॥८७॥

विश्रुतदशकण्ठोद्भव राम ॥८८॥

सीतालिङ्गननिर्वृत राम ॥८९॥

नीतिसुरक्षितजनपद राम ॥९०॥

विपिनत्याजितजनकज राम ॥९१॥

कारितलवणासुरवध राम ॥९२॥

स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत राम ॥९३॥

स्वतनयकुशलवनन्दित राम ॥९४॥

अश्वमेधक्रतुदीक्षित राम ॥९५॥

कालावेदितसुरपद राम ॥९६॥

आयोध्यकजनमुक्तिद राम ॥९७॥

विधिमुखविबुधानन्दक राम ॥९८॥

तेजोमयनिजरूपक राम ॥९९॥

संसृतिबन्धविमोचक राम ॥१००॥

धर्मस्थापनतत्पर राम ॥१०१॥

भक्तिपरायणमुक्तिद राम ॥१०२॥

सर्वचराचरपालक राम ॥१०३॥

सर्वभयामयवारक राम ॥१०४॥

वैकुण्ठालयसंस्थित राम ॥१०५॥

नित्यानन्दपदस्थित राम ॥१०६॥

राम राम जय राजाराम ॥१०७॥

राम राम जय सीताराम ॥१०८॥